

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग [खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 112]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 16, 1976/^{ख्}येष्ठ 26, 1898

No. 112]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 16, 1976/JYAISTHA 26, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह भ्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 16th June 1976

Subject: Recovery of interest from importers in respect of imports made under the direct payment procedure under foreign loans/credits/grants—Revision of rate,

No. 46-TTC(PN)/76.—Licensing conditions applicable to the import licences issued under foreign loans/credits/grants contain a clause to the effect that the rupee value of the goods calculated at the composite rate of exchange should be deposited to the account of the Government of India within ten days from the date of receipt of the negotiable set of documents by the importers' bankers in cases where direct payment/commitment procedure is followed, and the cost of imported goods and services is paid for directly out of the foreign loan/credits/grant funds. The licensing conditions further provide that interest at the rate of 6 per cent per annum on the value of the goods for the period from the date of payment to the foreign suppliers upto the date of deposit of the rupec equivalent into the Government Account will have to be paid by the importers. These conditions are also included in the Bank guarantees furnished by the importers based on the licensing conditions.

2. It has come to notice that, in many cases the rupee deposits are not being made to the account of the Government of India within the time stipulated in the licensing conditions and in a number of cases the delay is for long periods. It is imperative that importers and their bankers should strictly adhere to the instructions contained in the

licensing conditions and discharge their obligations in the manner indicated in the licensing conditions. Government are concerned at such delays in making the rupee deposits by the importers.

- 3. As a measure to ensure compliance with the requirement that rupee deposits should be made within the prescribed period it has accordingly been decided that in respect of all deposits to be made on or after 15th June 1976, into Government account in the usual manner, interest should be received from the importers for the period from the date of payment to the foreign supplier to the date of rupee deposit to the Government account at the rates indicated below:—
 - (i) Cases where deposits are made within 30 days from the date of payment to the foreign supplier—9 per cent per annum.
 - (ii) Cases where rupee deposits are made more than 30 days after the date of payment to the supplier:
 - (a) for the first 30 days—9 per cent per annum.
 - (b) for period in excess of 30 days-15 per cent per annum.

The provision in this regard in the existing licensing conditions may be deemed to have been modified to this extent. Importers should also arrange to furnish amendments to existing Bank guarantees including the provisions relating to revised rates of interest now notified, within a month from the date of issue of the Public Notice.

P. K. KAUL,

Chief Controller of Imports and Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

श्रायात व्यापार नियंत्रण

मई विल्ली, 26 जून, 1976

विश्वयः --विदेशी ऋणों/प्राखों/प्रानुदानों के प्रस्तर्गत सीधे भुगतान कियाविधि के प्रस्तर्गत किए गए प्रायातों के संबंध में श्रायातकों से ब्बाज की उगाही-दर में संशोधन ।

- सं० 46 माई० डी० सी० (पी० एन०) | 78.—विदेशी ऋणों | साखों | प्रमुदानों के के प्रन्तांत जारी किए गए प्रायात लाइसेंसों के लिए लागू होने वाली लाइसेंस शलों में इस संबंध में एक वाक्यांग है कि मुद्रा की मिश्रित दर पर गणना किए गए माल के रुपए में मूल्य को प्रायातकों के बैंकर द्वारा परकाम्य दस्तावेजों के सेट की पावती की तारीख से 10 दिनों के भीतर ही सरकार के लेखें में जमा कराना चाहिए भीर यह उन मामलों में होगा जहां सीधे भुगतान | बचनवद्धता को कियाविधि को प्रपनाया जाता है प्रीर प्रायातित माल घीर सेवाग्रों की कीमत का भुगतान सीधे हो विदेशो ऋणों | साखों | प्रनुदान निधियों में से किया जाता है । लाइसेंस की गतों में ग्रागे यह भी व्यवस्था है कि विदेशो संभरकों को भुगतान करने की तारीख से सरकारी लेख में नमनुल्य रुपया जमा करने की तारीख तक की भविध के लिए माल के मूल्य पर 6% वार्षिक दर पर ब्याज भी प्रायातकों द्वारा घंदा करना होगा । लाइसेंस शतीं पर भाधारित भागतकों द्वारा घंदा करना होगा । लाइसेंस शतीं पर भाधारित भागतकों द्वारा दी गई वैंक गारंटी में भी ये शर्ते सिम्मलित हैं।
- 2. यह देखने में आया है कि कई मामलों में लाइसेंत शतों में निर्धारित समय के भीतर भारत सरकार के लेखें में काये निक्षेप नहीं किए जाते हैं भीर कई मामलों में बिलम्ब लम्बी अविधियों तक होता है । यह भनिवार्य है कि भागातक और उन के बैंकरों को चाहिये कि वे लाइसेंस

शतौँ में निहित श्रमुदेशों का सण्ती से पालन करें श्रौर लाइसेंस शतों में संकेतित विधि से अपने श्राभारों को पूरा करें। श्रायानकों द्वारा रुपया निक्षेप करने में ऐसे विलम्ब पर सरकार **चिति**त है।

- 3. रुपया निक्षेप निर्धारित श्रवधि के भीतर किए जाएं इस श्रावण्यकता के श्रनुपालन का सुनिश्चय करने के त्रिचार से तदनुसार यह निश्चय किया गया है कि सरकार के लेखे में 15-6-76 की या इस के बाद सामान्य विधि से किए जाने वाल सभी निक्षेपों के संबंध में श्रायात को में व्याज नीचे संकेतित दर पर विदेशी संभरकों की भुगतान करने की तारीख से सरकार के लेखें में रुपया निक्षेप करने की तारीख तक की श्रविध के लिए किया जाना चाहिए :---
 - (i) वे मामले जिन में निक्षेप विदेशी संभरक को भुगतान की तारीख से 30 दिनों के भीतर किए जाते हैं . . . 9% वार्षिक
 - (ii) वे भामले जिन में निक्षेप विदेशी संभरक को भुगतान करने की तारीख से 30 दिनों के बाद किए जाने हैं:
 - (क) प्रथम 30 दिनों के निए . . 9% वार्षिक
 - (ख) 30 दिनों से ग्राधिक ग्रवधि के निए . . . 15% वार्षिक

वर्तमान लाइसेंस गर्ती की इस से संबंधित व्यवस्था को इस सीमा तक संशोधित किया गया समझा जाए। श्रायातकों को इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तारीख से लेकर एक माम की ग्रविष्ठ के भीतर श्रव श्रिधिस्चित व्याज की परिशोधित दर से सम्बद्ध व्यवस्थाश्ची महित वर्तमान बैंक गारंटी के लिए संशोधनों को प्रस्तुत करने की भी व्यवस्था करनी चाहिए।

> पी० के० कौल, मुख्य नियंत्रक, स्रायात निर्यात ।

		•
	•	
		₹
	-	